DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 February, 2024

जेम्मा(Gemma): ओपन-सोर्स AI मॉडल

संदर्भ: *ओपन AI के टेक्स्ट-टू-वीडियो मॉडल सोरा को लेकर हालिया चर्चा के बाद, Google ने अपने नवीनतम ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडल जेम्मा का अनावरण किया है।*

➢ **जेम्मा का परिचय:**

- Google ने हाल ही में अपनी नवीनतम ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडल जेम्मा लांच की है।
- जेम्मा हल्के वजन वाले अत्याधुनिक ओपन मॉडलों का एक समूह है जिसे Google DeepMind के जेमिनी मॉडल के अनुसंधान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके विकसित किया गया है।
- इसका नाम लैटिन शब्द 'जेम्मा' के नाम पर रखा गया है, जिसका अर्थ है कीमती पत्थर।
- यह पूर्व-प्रशिक्षित और निर्देश-ट्यून किए गए वेरिएंट के साथ दो मॉडल आकारों में उपलब्ध है: जेम्मा 2बी और जेम्मा 7बी।

➢ **जेम्मा की विशेषताएं:**

- जेम्मा को सुरक्षित AI एप्लिकेशन बनाने के लिए एक नए उत्तरदायी जेनरेटिव AI टूलकिट के साथ पेश किया गया है।
- इस टूलचेन ने मूल केरस 3.0 (Keras 3.0) के माध्यम से JAX, PyTorch और TensorFlow जैसे प्रमुख फ्रेमवर्क में अनुमान और पर्यवेक्षित फाइन-ट्यूनिंग (SFT) प्रदान की है।
- जेम्मा को रेडी-टू-यूज़ कोलाब और कागल नोटबुक सहित हगिंग फेस, NVIDIA, नेमो, मैक्सटेक्स्ट और टेन्सोरआरटी-एलएलएम जैसे लोकप्रिय टूल के साथ एकीकृत किया गया है।

➢ **इससे क्या होता है?**

- Google का लक्ष्य जेम्मा की सहायता से AI मॉडल का लोकतंत्रीकरण करना है।
- वर्टेक्स एआई और गूगल कुबेरनेट्स इंजन (GKE) पर आसान उपलब्धता के साथ यह मॉडल लैपटॉप, ऑनलाइन कार्यस्थल या Google क्लाउड पर कार्य कर सकते हैं।
- NVIDIA GPU और Google Cloud TPU सहित यह कई AI हार्डवेयर प्लेटफ़ॉर्म के लिए अनुकूलित है।

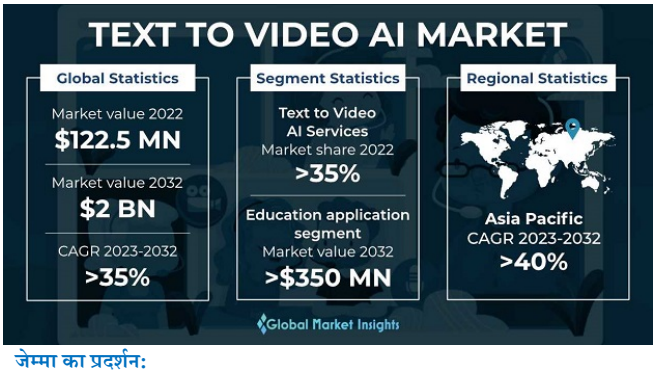

➢ **जेम्मा का प्रदर्शन:**

- जेम्मा, जेमिनी मॉडल के साथ प्रमुख तकनीकी और बुनियादी ढांचे के घटकों को साझा करता है, जिससे सर्वोत्तम श्रेणी का प्रदर्शन सुनिश्चित होता है।
- सुरक्षा और जिम्मेदार आउटपुट बनाए रखते हुए प्रमुख बेंचमार्क पर बड़े मॉडलों से बेहतर प्रदर्शन करता है।
- तर्क, गणित और कोड बेंचमार्क में जेम्मा 7बी का स्कोर मेटा के लामा 2 7बी से अधिक है।

➢ **जेम्मा का जिम्मेदार डिज़ाइन:**

- सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए, Google के AI सिद्धांतों के अनुपालन में डिज़ाइन किया गया।
- प्रशिक्षण सेटों से संवेदनशील डेटा को फ़िल्टर करने के लिए स्वचालित तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
- इस मॉडल को मानवीय प्रतिक्रिया के साथ संतुलित किया गया और जोखिम को कम करने के लिए गहन मूल्यांकन किया गया।

➢ **Google के AI सिद्धांत:**

- Google के AI सिद्धांत सामाजिक रूप से लाभकारी अनुप्रयोगों, अनुचित पूर्वाग्रह से बचाव, सुरक्षा, जवाबदेही, गोपनीयता, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और इन सिद्धांतों के पालन को प्राथमिकता देते हैं।
- यह उन क्षेत्रों को सूचीबद्ध करता है जहां एआई को डिज़ाइन या तैनात नहीं किया जाएगा, जिसमें समग्र नुकसान पहुंचाने वाली प्रौद्योगिकियां, मुख्य रूप से व्यक्तियों को नुकसान पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किए गए हथियार या उपकरण, वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन करने वाली निगरानी तकनीक और अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकारों के साथ विरोधाभासी एआई शामिल हैं।

➢ **सिद्धांतों की अनुकूलनशीलता:**

- Google इंगित करता है कि उसके AI सिद्धांत अनुकूलित हो जाएंगे क्योंकि वह AI अनुप्रयोगों में अधिक अंतर्दृष्टि प्राप्त कर लेगा।

अविश्वास प्रस्ताव

संदर्भ*: 22 फरवरी को हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस द्वारा लाए गए बीजेपी-जेजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हुई. अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने चर्चा के लिए दो घंटे का समय आवंटित किया।*

➢ **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**

- पहली लोकसभा 17 अप्रैल, 1952 को बुलाई गई थी, जिसमें अगस्त 1963 में पहली बार प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ "अविश्वास प्रस्ताव" लाया गया था।
- आचार्य जेबी कृपलानी ने अगस्त 1963 में एक प्रस्ताव लाया, लेकिन इसके पक्ष में केवल 62 वोट मिले, जबकि 347 इसके खिलाफ थे।

➢ **अविश्वास प्रस्ताव का महत्व:**

- यह लोकसभा में मंत्रिपरिषद (COM) को चुनौती देने के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में कार्य करता है।
- यदि सदन के 51% से अधिक सदस्य पक्ष में मतदान करते हैं, जो सरकार के लिए बहुमत के नुकसान का प्रतीक है, तो उसे इस्तीफा देना होगा।
- यह प्रस्ताव सरकार को बहुमत साबित करने या इस्तीफे का सामना करने के लिए मजबूर करता है।

➢ **अविश्वास प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया:**

- लोकसभा का नियम 198 "अविश्वास प्रस्ताव" पेश करने की प्रक्रिया की रूपरेखा बताता है।
- इसकी शुरुआत लोकसभा में विपक्ष द्वारा कम से कम 50 सदस्यों के समर्थन से ही की जा सकती है।
- अविश्वास प्रस्ताव का प्रस्ताव करने वाले सदस्य को अध्यक्ष से अनुमति लेनी होगी और प्रस्ताव के दिन सुबह 10 बजे तक एक लिखित सूचना देनी होगी।
- यदि अनुमति दी जाती है, तो प्रस्ताव पर 10 दिनों के भीतर चर्चा की जाती है, अध्यक्ष इस पर बहस और उसके बाद मतदान के लिए समय आवंटित करता है।
- लोकसभा अध्यक्ष कार्यवाही की अध्यक्षता करता है और बहुमत के आधार पर प्रस्ताव के निर्णय का फैसला करता है।

➢ **विभिन्न संसदीय प्रस्ताव:**

- **स्थगन प्रस्ताव:**
  - इसे अत्यावश्यक सार्वजनिक मामलों को संबोधित करने के लिए लोकसभा के नियम 56 के तहत पेश किया गया था।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- इसके लिए कम से कम 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता है।
- यह चर्चा आम तौर पर शाम 4 बजे शुरू होती है, जिसमें सरकार की नीतियों को अस्थिर किए बिना उसकी आलोचना की जाती है।

- **ध्यानाकर्षण सूचना:**
  - इसके तहत तत्काल मुद्दों को संबोधित करने के लिए लोकसभा (नियम 197) और राज्यसभा (नियम 180) दोनों में अनुमति दी गई है।
  - बैठक के दिन सुबह 10 बजे से पहले इसकी सूचना दी जानी चाहिए।
  - इसके लिए कोई चर्चा या वोटिंग नहीं होती।
- **अल्पावधि चर्चा:**
  - नियम 193 (लोकसभा) और नियम 176 (राज्यसभा) के तहत कोई भी सांसद जरूरी मामलों पर बहस शुरू कर सकता है।
  - इसके लिए कारण और समर्थन हस्ताक्षर सहित नोटिस आवश्यक है।
  - इस हेतु प्रभारी मंत्री जवाब देते हैं, लेकिन कोई वोटिंग नहीं होती।
- **विशेषाधिकार के प्रश्न:**
  - यह प्रश्न विशेषाधिकारों के उल्लंघन के लिए नियम 222 (लोकसभा) और नियम 187 (राज्यसभा) के तहत सांसदों द्वारा उठाया गया था।
  - इसके लिए अध्यक्ष/सभापति की सहमति आवश्यक है।
- **कटौती प्रस्ताव:**
  - इस प्रस्ताव का उपयोग अनुदान चर्चा के दौरान मंत्रालय की मांग की मात्रा को कम करने के लिए किया जाता है।
  - इसकी स्वीकार्यता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा निर्धारित की जाती है।
- **निंदा प्रस्ताव:** सरकारी नीति की आलोचना या अस्वीकार करना।
- **धन्यवाद प्रस्ताव:** आम चुनाव के बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की अनुमति देता है।

➢ **नोट:**

- इसकी शुरुआत ब्रिटेन में हुई, जहां 1742 में सर रॉबर्ट वालपोल की सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया था।
- यह परंपरा विकसित हुई कि यदि विश्वास वापस नहीं आया तो संसद को भंग करने की अनुमति दे दी जायेगी।

अलास्कापॉक्स (Alaskapox)

संदर्भ: *यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला ने एक अविश्वसनीय रूप से उज्ज्वल क्वासर की खोज की है, जो अंतरिक्ष में अब तक देखी गई सबसे चमकदार और प्रकाशयुक्त वस्तु है।*

➢ **अलास्कापॉक्स की उत्पत्ति:**

- अलास्कापॉक्स, एक ऑर्थोपॉक्स वायरस/विषाणु है, जिसे पहली बार 2015 में अलास्का के फेयरबैंक्स क्षेत्र में पहचाना गया था।
- हाल ही में इस संदर्भ में मृत्यु से पहले, मानव संक्रमण के केवल छह मामले दर्ज किए गए थे, सभी में इस विषाणु के कारण त्वचा पर फोड़े-फुंसियां और उनकी कांख और कंधे की मांसपेशियों में सूजन पाई गई थीं।

➢ **अलास्कापॉक्स जैसे वायरस/विषाणु का उद्भव:**

- अब तक 10,000 से अधिक वायरस प्रजातियों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें से 270 से अधिक विषाणु मनुष्यों को संक्रमित करने के लिए जानी जाती हैं।
- जबकि कुछ वायरस, जैसे चेचक, सदियों से पहचाने जाते रहे हैं और अन्य, जैसे अलास्कापॉक्स, हाल ही में देखे गए हैं।
- अधिकांश मानव रोगजनक जानवरों से उत्पन्न होते हैं, यद्यपि स्तनधारियों, पक्षियों और आर्थ्रोपोड के वायरस भी समानता से जोखिम उत्पन्न कर सकते हैं।
- अलास्कापॉक्स संभवतः छोटे स्तनधारियों जैसे छछूंदरों और लाल-पीठ वाले वोलों से उत्पन्न होता है, जो उनकी ज़ूनोटिक संचरण की क्षमता को उजागर करता है।

➢ **अन्य ऑर्थोपॉक्सवायरस और जोखिम:**

- अलास्कापॉक्स के साथ-साथ, अखमेटा वायरस और एबेटिनो वायरस जैसे वायरस की भी पहचान की गई है, जो अतिरिक्त ज़ूनोटिक ऑर्थोपॉक्सवायरस की उपस्थिति का संकेत देता है।
- हाल ही में शोधकर्ताओं को एमपीओक्स वायरस और काउपॉक्स वायरस जैसे ऑर्थोपॉक्स वायरस के प्रकोप की सूचना मिली है, यह संभवतः टीकाकरण बंद होने से बढ़ी हुई हैं।
- विभिन्न ऑर्थोपॉक्सवायरस स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों और कीड़ों को संक्रमित करते हैं, अतः इनकी निगरानी और निवारक उपायों के महत्व पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

➢ **ऑर्थोपॉक्स वायरस/विषाणु:**

- ऑर्थोपॉक्स वायरस, पॉक्सविरिडे परिवार का हिस्सा है, जिसमें स्तनधारियों और मनुष्यों जैसे कशेरुकी जंतुओं को प्रभावित करने वाली 12 प्रजातियां शामिल हैं।
- ऑर्थोपॉक्स वायरस से जुड़ी बीमारियों में चेचक, काउपॉक्स और मंकीपॉक्स शामिल हैं।
- चेचक के लिए जिम्मेदार वेरियोला वायरस को वैक्सीन के रूप में वैक्सीनिया वायरस का उपयोग करके वर्ष 1977 में विश्व स्तर पर समाप्त कर दिया गया था।
- 2015 में खोजा गया अलास्कापॉक्स वायरस सबसे नई प्रजाति है।
- ऑर्थोपॉक्स वायरस में ईंट के आकार की संरचनाएं होती हैं, जिनमें जीनोम 170 से 250 केबी तक होते हैं।
- उनके प्रतिकृति चक्र में मेजबान कोशिकाओं से जुड़ाव, जीनोमिक प्रतिकृति और नए विषाणुओं का संयोजन शामिल है।
- इनका संचरण श्वसन बूंदों, संपर्क और ज़ूनोसिस के माध्यम से होता है।
- कुछ ऑर्थोपॉक्स वायरस में व्यापक होस्ट रेंज होती है, जबकि अन्य अत्यधिक विशिष्ट होती हैं।
- वैक्सीनिया वायरस का उपयोग टीकों और अनुसंधान में व्यापक रूप से किया जाता है।
- चेचक के उन्मूलन के बाद इस समय कैमलपॉक्स आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है।

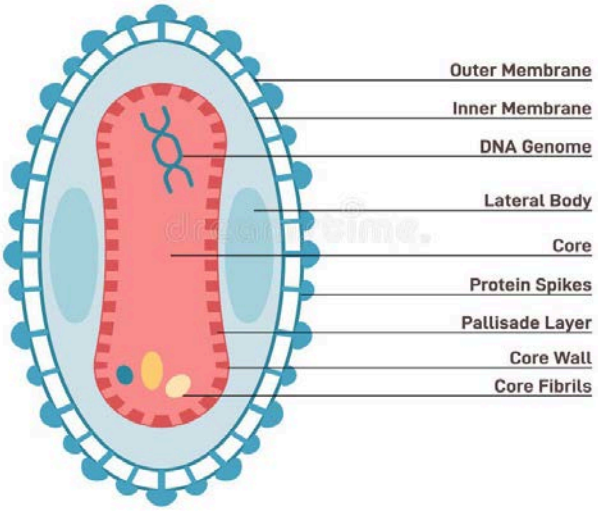

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 February, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

काली टाइगर रिजर्व

हाल ही में, मैसूरु के श्री चामराजेन्द्रा चिड़ियाघर ने उत्तरा कन्नड़ जिले के दांडेली में स्थित काली टाइगर रिजर्व में अपनी सुविधा से 40 चीतल हिरणों (एक्सिस एक्सिस) को सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया है।

काली टाइगर रिजर्व के बारे में:

- काली टाइगर रिजर्व, जिसे पहले दांदेली-अंशी टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाता था, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र और बाघ रिजर्व है।
- यह क्षेत्र पश्चिमी घाट का हिस्सा है जो जैविक रूप से विविध हॉटस्पॉट है।
- टाइगर रिजर्व में दो महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं: डांडेली वन्यजीव अभयारण्य और अंशी राष्ट्रीय उद्यान।
- काली नदी, जो उत्तरा कन्नड़ के लिए प्रमुख जल स्रोत है, बाघ अभयारण्य से होकर बहती है जिसके नाम पर इस अभयारण्य का नाम रखा गया है।
- **वनस्पति:** रिजर्व में वनस्पतियों में बिटांगुर, कैलोफिलम वाइटियानम, मालाबार इमली, गार्सिनिया मोरेला, नेमा एटेनुआटा, होपिया वाइटियाना, टेट्रामेल्स न्यूडिफ्लोरा आदि शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** रिज़र्व में बाघ, काले पैंथर, हाथी, भारतीय बाइसन, स्लॉथ भालू, जंगली सूअर, मकाक, लंगूर, पतला लोरिस और विभिन्न हिरण प्रजातियों सहित वन्यजीवों की एक विविध श्रृंखला है।

सम्मक्का-सारलम्मा जातरा महोत्सव

हाल ही में, यह देखा गया है कि देशभर से सैकड़ों हजारों आदिवासी तेलंगाना के मुलुगु जिले के मेडारम में आदिवासी मेला "समाक्का सरलम्मा जातारा" के लिए आने लगे हैं।

समाक्का सरलम्मा जातारा महोत्सव के बारे में:

- सम्मक्का-सारलम्मा जातारा महोत्सव, जिसे मेडारम जातारा के नाम से भी जाना जाता है यह तेलंगाना में मनाया जाने वाला तीन दिवसीय द्विवार्षिक आदिवासी महोत्सव है।
- यह त्यौहार मुख्य रूप से कोया जनजाति द्वारा मनाया जाता है, जो तेलंगाना में दूसरा सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय है।
- इसे एशिया में सबसे बड़े आदिवासी मेले और कुंभ मेले के बाद भारत में दूसरे सबसे बड़े मेले के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- यह त्योहार शासक शासकों और अन्यायपूर्ण कानून के खिलाफ मां-बेटी की जोड़ी, सम्मक्का और सरलम्मा की पौराणिक लड़ाई की याद दिलाता है।
- आदिवासी प्रतिभागी गोदावरी नदी की सहायक नदी जम्पन्ना वागु के पवित्र पानी में डुबकी लगाते हैं।

किरू हाइडल परियोजना

हाल ही में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने किरू हाइडल प्रोजेक्ट के ठेके देने में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में छापेमारी की थी।

किरू हाइडल परियोजना के बारे में:

- किरू हाइडल परियोजना जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में स्थित है।
- यह मौजूदा किरथाई-II (अपस्ट्रीम एएम) और क्वार (डाउनस्ट्रीम) जल विद्युत परियोजनाओं के बीच स्थित है।
- इस परियोजना का लक्ष्य पूरे उत्तर भारत और जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण इलाकों में ऊर्जा की मांग को पूरा करना है।
- इस परियोजना में चिनाब नदी के तल स्तर से निर्मित 123 मीटर लंबा बांध शामिल है।
- जलाशय की भंडारण क्षमता 41.5 मिलियन वर्ग मीटर होगी।
- इसमें अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए 700 मीटर लंबी, घोड़े की नाल के आकार की डायवर्जन सुरंग है।
- इसमें चार टर्बाइनों वाला एक भूमिगत बिजलीघर होगा जिसमें प्रत्येक की क्षमता 156 मेगावाट है।
- यह परियोजना चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीवीपीपीपीएल) द्वारा विकसित की जा रही है।

वलीनाथ महादेव मंदिर

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने गुजरात के वलीनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की और दर्शन किये।

वलीनाथ महादेव मंदिर के बारे में:

- मंदिर का निर्माण उत्तरी गुजरात के मेहसाणा जिले में किया गया है।
- यह मंदिर 900 वर्ष पुराना है और रबारी समुदाय सहित कई समुदायों की आस्था का केंद्र है।
- ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना भगवान कृष्ण ने की थी।
- मंदिर का निर्माण प्राचीन नागर शैली में किया गया है।
- यह मंदिर बंसीपहाड़पुर के पत्थरों से बना है और इसकी ऊंचाई लगभग 101 फीट, लंबाई 265 फीट और चौड़ाई 165 फीट है इस मंदिर में 68 खंभे हैं।

रबारी समुदाय:

- रबारी, जिसे रेबारी के नाम से भी जाना जाता है, खानाबदोश मवेशियों और ऊंट चराने वालों तथा चरवाहों की एक स्वदेशी आदिवासी जाति है।
- वे उत्तर पश्चिम भारत के मुख्यतः गुजरात, पंजाब और राजस्थान राज्यों में रहते हैं।
- वे "भोपा" बोलते हैं, जो गुजराती, कच्छी, मारवाड़ी शब्दों और फ़ारसी (फ़ारसी) का मिश्रण है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972

हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को संबोधित करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में किसी संशोधन की आवश्यकता नहीं है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के बारे में:

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, जंगली जानवरों और पौधों की सुरक्षा, आवास प्रबंधन और वन्यजीव उत्पादों में व्यापार के नियंत्रण के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
- इस अधिनियम ने CITES में भारत के प्रवेश की सुविधा प्रदान की जिससे लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में सहायता मिली।
- 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 ने वनों और जंगली जानवरों और पक्षियों के संरक्षण को समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया।
- अनुच्छेद 51 ए (जी) वन्यजीवों सहित पर्यावरण की रक्षा के लिए नागरिकों के कर्तव्य पर जोर देता है।
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में अनुच्छेद 48 ए पर्यावरण, वनों और वन्यजीवों की रक्षा तथा सुधार के लिए राज्य के प्रयासों को अनिवार्य बनाता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	▪ वन्यजीव अधिनियम की अनुसूची संरक्षण की स्थिति और उपायों के आधार पर प्रजातियों को वर्गीकृत करती है: लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए अनुसूची-I; उच्च सुरक्षा के लिए अनुसूची-II; अलग-अलग सुरक्षा के साथ गैर-लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए अनुसूची-III और IV; शिकार की अनुमति देने वाले कीड़ों के लिए अनुसूची-V और विनियमित पौधों की खेती के लिए अनुसूची-VI .
सुर्खियों में स्थल **डेनमार्क**	***हाल ही में, भारत और डेनमार्क रक्षा, सुरक्षा और नई तकनीक सहित नए क्षेत्रों में अपनी साझेदारी का विस्तार करने की दिशा में सहयोग करने पर सहमत हुए हैं।*** **डेनमार्क (राजधानी: कोपेनहेगन)** **अवस्थिति :** डेनमार्क उत्तरी यूरोप के दक्षिण-मध्य भाग में एक नॉर्डिक देश है। **राजनीति सीमाएँ:** डेनमार्क अपनी भूमि सीमा जर्मनी (दक्षिण) और समुद्री सीमा स्वीडन (उत्तर पश्चिम) और नॉर्वे (उत्तर) के साथ साझा करता है। **भौतिक विशेषताऐं:** ▪ मोललेहोज डेनमार्क का सबसे ऊंचा प्राकृतिक बिंदु है। ▪ गुडेना डेनमार्क की सबसे लंबी नदी है। ▪ डेनमार्क के खनिज संसाधनों में मुख्य रूप से चाक, चूना पत्थर, मिट्टी, रेत, बजरी और उत्तरी सागर में तेल और प्राकृतिक गैस के छोटे भंडार शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में बीबीसी के नए अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है, यह पहली बार है कि भारत में जन्मे किसी व्यक्ति को इस पद पर नियुक्त किया गया है? **- डॉ समीर शाह**
- हाल ही में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कौन से दो नए दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर राष्ट्र को समर्पित किए गए? **- केएपीएस-3 और केएपीएस-4**
- उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) पर हाल ही में खोली गई भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग का नाम क्या है? **- टी-50**
- हाल ही में 'मॉक हंटिंग फेस्टिवल' के नाम से जाना जाने वाला त्यौहार कहाँ मनाया गया है? - **आंध्र प्रदेश के अहोबिलम में श्री नरसिम्हा स्वामी मंदिर**
- हाल ही में भारतीय पर्यटकों के लिए 5-वर्षीय बहु-प्रवेश वीजा की शुरुआत किसने की है? **- दुबई**